

14.5.22

दलील प्रार्थी उपा. / चण्ड
रतुनी गणी / फाल्ते इति
उत्तर / 13.6.22 अर्ज
है।
[Signature]

13.6.22

आ.सा. राजकार्य / भ्रमण / मिटिंग / इन्फेक्ट
अवकाश में होने के कारण पत्रवाही नारते
गंतीश हेतु दि. 14-6-22 को परा हो।
[Signature]
रीट

14.6.22

दलील प्रार्थी उपा. जार्थीगणकी
ओर से यह पार्थक्य पत्र इस आशय का
पेश किया कि जार्थीगण ने आराजी रुक
नं. 165/2, 166, 167, 210, का खबरा
प बीघा 13 बिस्वा में से प बीघा 2 बिस्वा
हरिमोहन पुत्र अर्जुन मीना की खतेदारी में से
खरीदा था। जिसका नामान्तरकरण सं. 472/
दिनांक 3-4-2000 को खोला गया। जिसे
जार्थीगण का नाम राजमोहन, रक्षित कुमार
पिसरान अर्जुन मीना दर्ज है। लेकिन सेटल-
मेन्ट के बाद बनी जमाबंदी में राजाराम मुकेश
कुमार दर्ज पिसरान अर्जुन मीना दर्ज हो गया।
जिसे शुद्ध किया जाए। इसके समर्पण में
मिलान क्षेत्रफल व हाल जमाबंदी एवं पुरानी
जमाबंदी संवत् 2050-53 पेश की।

प्रकरण दर्ज रजिस्टर कर अपार्थी को
जरिये सम्मन तलब किया गया। बाद तागिल
कोई उपाधित नहीं होने पर एक तरफ कार्यवाही

[Signature]

की गई।

बहुस प्रयोग सुनी गई। पत्रावली का
अवलोकन किया। विमान अधिकारता प्रमाण
में दर्शाने बहुस वही तथ्य दोहराए, जो शर्मान
पत्र में दर्ज हैं। यह तथ्य प्रमाण के द्वारा
सद्वृत्त जमाबंदी संवत् 2050-53 खाता सं.
149 पर लगे नोट नामान्तरकरण सं० 472
दिनांक 3-4-2000 से यह लिख पाम गद्य
कि उक्त नामान्तरकरण में राज मोहन व रमेश
कुमार पिलरान अर्जुन मीरा के हक में नामान्तरकरण
का नोट दर्ज है। कालान्तर में बाद
सेटलमेंट हाल ख० नं० 300, 301, 404
कायम किए गए। जिनका इन्दागात जमाबंदी
संवत् 2071-74 एवं संवत् 2063 में राजाराम
मुकेश कुमार पिलरान अर्जुन मीरा साक्षि
देह दर्ज हो गया। इसके संबंध में तहसीलदार
बौली से तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब की गयी।
जिसमें पार्टी के आवेदन अतुल्य शुद्ध
करने की अनुशंसा की गयी। अतः हमारे
विद्युत आश्रित में राजाराम के स्थान पर
राजमोहन एवं मुकेश कुमार के स्थान पर
रमेश कुमार शुद्ध करना न्यायहित में
उचित है।

इस विवेचन के परिपेक्ष्य में पार्टी
का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया जाता है।
तहसीलदार बौली को निर्देश दिए जाते हैं कि
मुताबिक जमाबंदी संवत् 2071-74 खाता सं.
137 ग्राह पीलूखेडा कला में राजाराम के
स्थान पर राजमोहन एवं मुकेश कुमार के
स्थान पर रमेश कुमार शुद्ध किया जावे।

आदेश आज दिनांक 14-6-22

तारख
कुणम

कुणम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जप

को खुले न्यायलय के लिये जाकर
इनाकारित कर उच्चारित किया गया।
ज्यादा फैसल सुनार लेकर वाद तकनीक
यकित कर रहे।

दि